an>

Title: Need to renovate the historical monuments in Kalpi in Jalaun parliamentary constituency, Uttar Pradesh and also develop the city as a tourist place.

श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा (जालौन) : मेरे संसदीय क्षेत्र जालौन अन्तर्गत गरौठा भोगनीपुर में यमुना तट पर कालपी नगर है जो बुन्देलखण्ड का प्रवेश द्वार माना जाता है। यह इस देश के बड़े ऐतिहासिक व धार्मिक केन्द्रों में से एक है और यह विश्व के सबसे बड़े महाकाव्य महाभारत के रचियता महर्षि वेदव्यास और अकबर के नवरत्न बीरबल की जन्मस्थली भी है। यहीं झाँसी की रानी वीरांगना लक्ष्मीबाई ने अंग्रेजों के विरूद्ध तात्या टोपे एवं अन्य स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के साथ युद्ध की रणनीति बनाकर युद्ध किया था। कालपी की एक अति विशेष बात यह है कि यहाँ उत्तर भारत का एकमात्र सूर्य मंदिर है जहाँ अति दुर्लभ सूर्य ग्रहण का अध्ययन करने देश-विदेश के वैज्ञानिक आते हैं। कालपी में भारत के सौहार्द को दर्शाते हुए स्मारक भी हैं जिनमें चौरसी गुंबद, लंका मीनार उल्लेखनीय है। मगर यह सभी अद्वितीय धरोहर रखरखाव के अभाव के कारण आज अपना अस्तित्व बचाने के लिए जूझ रहे हैं। इस सरकार ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई सारे कदम उठाए हैं।

मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि कालपी के तमाम स्मारकों को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के अन्तर्गत लाकर उनका जीर्णोद्धार कराकर कालपी को पर्यटक स्थल के रूप में घोषित करके विकसित किया जाए ताकि वहाँ के तमाम निवासियों के लिए रोजगार के नये संसाधन पैदा हो सकें।